प्रेस विज्ञप्ति

जमाअत ने अल्पसंख्यकों के लिए बजटीय आवंटन की कमी पर चिंता जतायी, प्रधान मंत्री से सांप्रदायिक तत्वों पर लगाम लगाने का आग्रह किया

नई दिल्ली, 06 फरवरी। अल्पसंख्यकों के लिए बजटीय आवंटन में कमी पर गंभीर चिंता जताते हुए जमाअत इस्लामी हिन्द ने प्रधान मंत्री से आग्रह किया कि अयोध्या राम मंदिर के लिए फंड कलेक्शन के बहाने घृणा फैलाने वालों पर लगाम लगाया जाए।

आज जमाअत इस्लामी हिन्द के मुख्यालय में आयोजित मासिक प्रेस कान्फ्रेंस को सम्बोधित करते हुए जमाअत के अध्यक्ष प्रोफेसर सलीम इंजीनियर ने कहा कि देश में अल्पसंख्यक 21 प्रतिशत है। अनुसूचित जाति/जनजाति जिसकी कुल आबादी देश की कुल जनसंख्या का 16 प्रतिशत है का बजटीय आवंटन अल्पसंख्यकों की तुलना में 10 गुना ज्यादा है। यह बहुत चिंता का विषय है। उन्होंने कहा कि पहले के मुक़ाबले इस वित्तीय वर्ष में अल्पसंख्यक विभाग का बजट कम कर दिया गया है। पिछले वित्त वर्ष में इस विभाग को 5029 करोड़ आवंटित किया गया था, जबकि इस बार केवल 4810.77 करोड़ ही दिया गया है।

2021-22 के बजट पर जमाअत के रुख को दोहतरते हुए प्रोफेसर सलीम इंजीनियर ने कहा कि केंद्रीय बजट कॉर्पोरेटरों के हित को पूरा करता है न कि आम लोगों के। उन्होंने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था इक्विटी आधारित होना चाहिए ताकि मांग बढ़ेगी और अर्थव्यवस्था में सुधार होगा।

स्वास्थ्य के क्षेत्र में बजटीय आवंटन पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि जमाअत हेल्थ सेक्टर में जीडीपी का 6 प्रतिशत आवंटित करने का मांग करती रही है। लेकिन इसके लिए आवंटित राशि दो फीसद से भी कम है। जमाअत इस सेक्टर में 6 प्रतिशत बढ़ाए जाने की मांग करती है। उन्होंने शिक्षा के क्षेत्र में अर्पाप्त बजटीय आवंटन पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि कोविड-19 महामारी के दौरान लॉकडाउन में यह क्षेत्र काफी प्रभावित रहा था।

सरकार को कृषि कानूनों को निरस्त करना चाहिए

तीन विवादास्पद कृषि क़ानूनों को निरस्त करने की मांग को लेकर चल रहे किसान आन्दोलन के बारे में प्रोफेसर सलीम इंजीनियर ने विचार प्रकट करते हुए कहा कि सरकार अपना दुराग्रही रवैया त्याग कर किसानों की मांगों को स्वीकार कर ले क्योंकि नए कृषि कानून न तो किसानों के हित में है और ना ही उपभोक्ताओं के। उन्होंने कहा कि तीनों कृषि क़ानून केवल कार्पोरेटरों को लाभ पहुंचाने के लिए है।

गणतंत्र दिवस पर हिंसा की निंदा करते हुए उन्होंने कहा कि सरकार की ही तरफ से स्थिति को संभालने में कुप्रबंधन दिखायी दिया और पूरे प्रकरण में सरकार के ही खिलाफ आरोप भी लगे हैं। गणतंत्र दिवस की हिंसा के पीछे जो चेहरे नज़र आ रहे हैं वे काफी जाने पहचाने हैं लेकिन वे अभी भी मुक्त घूम रहे हैं। कुछ विदेशी सरकारों, लीडरों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने किसान आंदोलन का समर्थन किया है। इस पर पूछे गए सवाल के जवाब में प्रोफेसर सलीम इंजीनियर ने कहा कि जमाअत इस्लामी हिन्द हर उसकी सराहना करती है जो लोकतंत्र की रक्षा और मज़बूती के लिए सहयोग देते हैं।

फंड कलेक्शन के बहाने देश में नफरत, ध्रुवीकरण और हिंसा को बढ़ावा

अयोध्या में राम मंदिर के नाम पर धन इकट्ठा करने के लिए निकाली जा रही रैलियों पर बोलते हुए जामअत के नेशनल सेक्रेट्री मलिक मोतसिम खान ने कहा कि कुछ समूह फंड कलेक्शन के बहाने देश में नफरत, ध्रुवीकरण और हिंसा को बढ़ावा दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि वे अल्पसंख्यक समुदाय को निशाना बनाते हैं और समाज में विभाजन पैदा करना चाहते हैं, जो हमारे राष्ट्र के लिए अत्यंत हानिकारक हैं। उन्होंने कहा ये रैलियां मध्यप्रदेश से शुरू की गयीं फिर गुजरात और उत्तर प्रदेश में स्थानांतरित की दी गयीं। अब पश्चिम बंगाल में सांप्रदायिक अधार पर समाज के ध्रुवीकरण के लिए फंड कलेक्शन रैली निकालने की योजना बनायी जा रही है। उन्होंने बताया कि हाल ही में सामाजिक कार्यकर्ताओं जिनमे जमाअत इस्लामी हिन्द भी शामिल है ने प्रधानमंत्री को पत्र लिख कर सांप्रदायिक तत्वों पर लगाम लगाने की अपील की है और कहा गया है कि इस बात को सुनिश्चित किया जाए कि फंड जमा करने की मुहिम में कोई बल और सांप्रदायिक उन्माद का प्रयोग न हो।

द्वारा जारी

मीडिया प्रभाग, जमाअत इस्लामी हिन्द